## महत्त्वपूर्ण सूचना

सभी सजनों को जय सीता राम जी,

सजनों जैसा कि आप सब जानते ही हो कि वर्ष 2023-2024 को उन्नति वर्ष घोषित कर दिया गया है। इस उद्घोषणा के तहत् सजनों जहाँ ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न संस्थाओं जैसे कि डिस्पेन्सरी, संगीत कला केन्द्र, स्कूल, कॉलेज आदि ने उन्नति कर दिखलानी है, वहीं विभिन्न शहरों में स्थापित महाबीर सत्संग सभाओं के सदस्यों ने भी व्यक्तिगत स्तर पर स्वार्थपरता छोड़ सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ के नीति-नियमों अनुसार, परमार्थ के रास्ते पर प्रशस्त होना है व इस तरह जागृति में आते हुए, सबको जागृति में लाने का अदम्य पुरुषार्थ दिखलाना है। इस हेतु मानना है कि विवेक बुद्धि से सम्पन्न, ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट कलाकृति होने के नाते, कुदरत ने हमें एक ऐसी नायाब विलक्षण क्षमता यानि आत्मिक शक्ति से नवाज़ा है जिसके बलबूते पर हम जो चाहें वह सत्य धर्म अनुसार सहज ही सिद्ध कर सकते हैं। अतः इस सत्य को दृष्टिगत रखते हुए कि कलियुग जा रहा है व सतयुग आ रहा है, मानो कि यह समय व्यर्थ ही सोचों में बैठे रहने का या आज का काम कल पर छोड़, व्यर्थ गँवाने का नहीं है अपितु यह तो कुदरत प्रदत्त अपनी विलक्षण प्रतिभा व पुरुषार्थ के बलबूते पर कुछ कर दिखाने का है।

आप सबकी जानकारी के लिए हम सब ऐसा करने में कामयाब हो जाएँ इस हेतु अब कुछ ऐसा होने वाला है जिसके तहत् कुदरत के हुक्म अनुसार छोटे से छोटे बाल से लेकर वयोवृद्ध सजनों तक को अपने परम पुरुषार्थ के बल पर जीवन बनाने का अवसर मिलने जा रहा है। जैसा कि सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ में कहा भी गया हैः-

**ओ इन्सानों किस्मत दा मुकाबला हुण होना जे मुकाबला हुण होना जे।**

**किस्मत जैं जित लई उस हसना ते कदे न रोना जे।**

इस बात को समझते हुए सभी सजन अपनी, अपने परिवार की व कुल संसार की भलाई के निमित्त उठो, जागो और सबको जागृति में ले आओ। इसी सन्दर्भ में अपना जीवन बनाने का जो कार्य आप गत वर्षों में ध्यान-कक्ष में आयोजित कक्षाओं के माध्यम से नहीं कर पाए, कुदरत आपको पुनः उसका अवसर प्रदान करने जा रही है। आपके साथ-साथ आपके बाल-युवा भी इस अवसर का लाभ उठा, पुनः इस धरा पर सतयुग जैसा उत्कृष्ट समयकाल लाने हेतु आरम्भ हुई, इस लहर में अपना निष्काम भाव से योगदान दे पाएं, उसके लिए बड़े ही आकर्षक व रोचक ढंग से आत्मिक ज्ञान प्रदान करने की व्यवस्था कायम की जाने वाली है। यहाँ जान लो कि इस बार यह क्रिया एक तरफा नहीं होने वाली यानि यदि कुछ प्राप्त करना है तो स्वयं आगे बढ़कर, आपको व आपके बच्चों को इसमें हिस्सा लेना होगा। यहाँ जान लो कि अपने पुरुषार्थ से ही जीवन सफल बना पाओगे। जैसे कि सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ में कहा भी गया हैः-

**पुरुषार्थ सजनों यत्न करो, ओन्हां इक सवाल समझाया है।**

**अनेक सवाल छुड़ाये के ओ नगर निवासियो, महाबीर जी पर उपकार दिखाया है।।**

यहाँ आपको स्पष्ट कर दें कि आधे मन से या मजबूरी वश दिखावे के लिए इन कक्षाओं में सम्मिलित हो कर किसी ने अपना व सबका समय खराब नहीं करना। ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि कक्षाओं में बैठे हुए प्रत्येक सजन को इस बार केवल दर्शक बनकर नहीं अपितु क्रियाशील सजन की भान्ति सबके सम्मुख आकर कुछ न कुछ करने का अवसर प्राप्त होगा ताकि आप अपने साथ-साथ अपने घरों व शहरों में जन-जन तक सतयुगी संस्कृति को पहुँचाने में सक्षम हो जाएँ। अतः किसी ने घबराना नहीं अपितु बढ़-चढ़कर, सपरिवार युग परिवर्तन की इस क्रियाविधि में भाग लेना है।

सबकी सूचनार्थ यह कार्यक्रम ध्यान कक्ष व सत्संग हाल में दिनाँक 07 मई 2023 से आरम्भ होकर, प्रति रविवार आगे बढ़ेगा। पहले व तीसरे रविवार कक्षाएँ ध्यान कक्ष में होगी और दूसरे व चौथे रविवार सत्संग के दौरान चलेगी। सत्संग के दौरान चलने वाली कक्षा में अति सहज व सरल ढंग से आपके अन्दर सतवस्तु की कुदरती वाणी को समझने व धारने की क्षमता भरी जाएगी और ध्यान-कक्ष की क्लास में आपको सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ के अनुसार आत्मिकज्ञान से परिचित कराते हुए, कैसे उसको धारण कर प्रयोग में लाना है और स्मृति में रखते हुए जन-जन तक पहुँचाना है, उसकी समर्थता भरी जाएगी। कहने का आशय यह है कि परम पुरुषार्थ दिखाने के लिए सपरिवार तैयार हो जाओ। जानो इस अवसर का लाभ आपके साथ-साथ विदेशों में बैठे आपके बच्चे व कुल दुनियां के सजन भी उठा पाएँगे। सो सबको प्रोत्साहित करना अन्यथा जो छूट गया वह फिर पछताएगा।

यहाँ आपको बता दें कि इन दोनों कार्यों को कुशलता से सम्पन्न करने के लिए दो कमेटियों का गठन किया गया है। पहली कमेटी में **सजन विशाल जी** (गाजियाबाद), **सजन प्रीति सिंधवानी जी** (वसुन्धरा), **सजन अंकिता जी** (गुरुग्राम), **सजन ईशा जी** (दिल्ली) व **सजन अनूप विरमानी जी** (गुरुग्राम) है जो ध्यान-कक्ष में लगने वाली कक्षाओं की पूरी व्यवस्था सम्भालेंगे। दूसरी कमेटी में **सजन शालीन व प्रियंका तनेजा जी** (वसुन्धरा), **प्रियंका नारंग जी** (गुरुग्राम), **सजन सोनिया जी** (फरीदाबाद), **सजन खुशबूँ जी** (दिल्ली) तथा **सजन श्रीश गुप्ता व देबू सजन जी** (वसुन्धरा) होंगे जो सत्संग हॉल में चलने वाली गतिविधियों को कुशलता से संचालित करने के उत्तरदायी होंगे। इसके अतिरिक्त आप, हम, सब इन कमेटियों के सहयोगी होंगे यानि हमें मिलजुल कर आत्मोत्थान के इस कार्य में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हुए, इस कार्य को आगे बढ़ाना होगा। यहाँ ध्यान दो कि मूक दर्शक की भांति किसी को यहाँ बैठने की इजाज़त नहीं होगी। सबको अपना हुनर दिखाने का अवसर ध्यान-कक्ष व सत्संग हॉल में समान रूप से प्राप्त होगा। इस तरह इस तरीके द्वारा, अपना जीवन बनाते हुए, जन-जन तक यह सन्देश पहुँचाने के लिए सबको तैयार किया जाएगा। इसमें कोई भी शहर पीछे नहीं रहेगा। महाबीर सत्संग सभा के हर शहर के सभी सजनों को भी इन क्रियाविधियों में भाग लेना होगा। विदेशों में स्थापित महाबीर सत्संग सभाओं के सदस्यों को भी यह सब देखकर आपस में इस तरह क्रिया विधि

करनी होगी। सारे विडियो ओन-लाईन आप तक आते रहेंगे। इस संदर्भ में आपको करना बस इतना होगा कि अपना जीवन बनाने के लिए कम से कम अब तो सारी क्रियाविधि में एक सक्रिय निष्काम सेवक की भांति बढ़-चढ़कर भाग लेना होगा। Different Games, Quizzes, Skits, elocutions, Group discussion, question-answer, Rapid fire rounds आदि के माध्यम से आपकी स्मृति को मज़बूत करते हुए, बोलने के योग्य बनाया जाएगा। सो इस योग्यता को धारण करने के लिए हर सम्भव प्रयास दिखाना। जैसे व जिस शहर के सजनों को कमेटी वाले सजन काम दें, वह कार्य सहर्ष अच्छे से अच्छे तरीके से सिद्ध करके दिखाना।

इस विषय में सब सजन याद रखना कि यह कार्य कुदरत का है और कुदरत ने ही करना है। हम इसमें भाग लें या न लें, इसने तो सिद्ध होना ही होना है क्योंकि कुदरत के गर्भ में यह कार्य सिद्ध हुआ पड़ा है पर देखना यह है कि कौन सौभाग्यशाली अहं भाव को त्यागकर यानि समर्पण भाव में आकर इस क्रिया से लाभ उठा अपना जीवन बना पाता है। निःसन्देह सजनों यह क्रिया महाबीर सत्संग सभा से जुड़े हुए हर सदस्य से भरपूर पुरुषार्थ, लगन, त्याग व निष्कामता की अपेक्षा रखती है। जो सजन यह उद्यम दिखा पाएगा, वह निश्चित रूप से सफल हो जाएगा।

यहाँ हम तो सबको यही कहेंगे कि इस कार्य की सिद्धि के प्रति अपने मन में दृढ़ संकल्प लो कि **'हम सजन श्री शहनशाह हनुमान जी के द्वारे पर दिल से बने रह, उनके हर वचन की पालना के प्रति हर क्षण दिल से समर्पित बने रहेंगे क्योंकि हम जानते हैं कि उनके बगैर हमारा कोई भी रक्षक नहीं है जो हमें कलियुग की त्रास से उबार सत्य का प्रतीक बनाने में सक्षम हो'।**

अन्त में एक जरूरी बात यह सुनो कि इस सफलता को प्राप्त होने हेतु जो भी ध्यान-कक्ष में लगने वाली इन कक्षाओं में सम्मिलित होना चाहता है, उसको साथ में संलग्न फार्म भर कर भेजना होगा ताकि उचित व्यवस्था कायम की जा सके। इस बात की सूचना सजनों अपने अड़ोसी-पड़ौसी व मिलने वाले यानि जन-जन तक पहुँचानी है ताकि वे सब भी इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

सभी सजनों को जय सीता राम जी।